



Chhatrapati Shahu Ji Maharaj
University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 11570986

Roll No. 23262000041
Total Mark 60/75.00

Exam BA_V_ODD_EXAM_NOV_2025
Subject A300501T - Theoretical and Analytical study of Ragas Tal

Question wise Mark Summary

Q.No Mark Q.No Mark Q.No Mark Q.No Mark

1A 5/5

1B 5/5

1C 5/5

1D 5/5

1E 5/5

1F 5/5

1G 5/5

1H 5/5

1I 5/5

2 0/15

3 0/15

4 8/15

5 0/15

6 0/15

7 7/15

8 0/15

9 0/15

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in Boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below blacken the circles completely.



4. Make no Stray marks on this sheet.
5. **DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.**

IN ORDER TO AVOID UFM (UNFAIR MEANS):

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/ electronic watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be considered as UFM.

अनुचित साधन से बचने हेतु:

1. उत्तर पुस्तिका के निर्देशित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमंक कहीं और न लिखें तथा कोई भी चिह्न न बनायें क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेद करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लायें, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़े, मोबाइल, डिजिटल कैमरा, कोपी, मुद्रांक या सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती हैं। केवल संबंधित प्रश्नपत्र में ही संचोदित लेख साइट्टिक कोम्प्यूटेटर ले जाने की अनुमतिता होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रूपये न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिह्नकार्य। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों पर दोनों तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र कोड सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका में पृष्ठ (1-24) से कम है या कटे हुए हैं, तो परीक्षा शुरू होने के पूर्व दूसरी उत्तर पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथा प्रश्न में कोई त्रुटि है तो उसके परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट के अन्दर कक्ष निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पेंसिल का प्रयोग न करें।
10. B कोपी या अतिरिक्त ग्राफ नहीं दिया जायेगा।

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Paper, Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-32) or any other kind of damage in your answer script, if found than change the answer script immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy e.g. Subject Code, Subject Name and Question of the Question Paper during first THIRTY MINUTES of the commencement of the exam, so that it can be corrected in TIME. After that no corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over papers should fill in status as Carry Over. Those appearing as Ex-Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provided.

INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in Boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

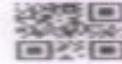
1	8	1	5	4	3	2	1	6	9
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>

Note - If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three columns



Paper Code

A 3 0 0 5 0 1 T



01

शब्द - अ

उत्तर - 1(v)

राग - पुरिया

शाट	मारवा
वादी	ग . गन्दार
संवादी	नि . निषद
जाति	घाडव - पाडव
स्वर	रे . कोमल, मे तीव्र शेष शुद्ध
वर्जित स्वर	प . पंचम
गायन समय	सायंकल
समप्रकृति राग	मारवा

आरीह - नि सा रे ग मं छ नी सां

अवरीह - सां नी छ गं ग रे सा

पकड़ - नि सा ग मं ग मं, छ नी, नी सां

विशेषताये - राग पुरिया मारवा शाट से उत्पन्न राग है!

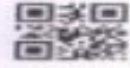
मुरत्यतः इसका गायन सायंकल सन्धिप्रकाश के समय किया जाता है!

मारवा पुरिया, सोहनी आदि सभी रागों समप्रकृति राग हैं!



Paper Code

A 3 0 0 5 0 1 T



02

उत्तर - 1(b)

एजाखानी गत - राग मुल्तानी

स्थान - 0

सा गुग रे सा	- ग - म	प - प म	ग रे सा नि
दा दिर दा रा	- रा - दा	दा - रा दा	दा रा दा दा
0	3	X	2

सा गुग रे रे सासा	नी - नी बा छ	प - प प नी	नी, नी सा नी
दा दिर दिर दि	दा र दा	दा रा दा दा	रा दा दा रा
0	3	X	2

अंतरा

ग मंम ग म	प नी सां -	प पप नी नी सांसां	ग ग रे रे सा
दा दिर दा दा	दा दा रा -	दा दिर दिर दि	दा न् दा न् दा
0	3	X	2

नि सांसां ग म	गां रे सां नी	बा मंम गुग मंम	ग रे सा सा नी
दा दिर दा रा	दा रा दा रा	दा दिर दिर दि	दा न् दा न् दा
0	3	X	2

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

A 3 0 0 5 0 1 T



03

उत्तर - 1(c)

आड़ लय

आड़ लय क्लिष्ट लयकारी के अन्तर्गत
आड़ लय में ३ मात्रा में उ मात्रा, मात्रा की
आड़ लय में ३ मात्रा में उ मात्रा, मात्रा की
आड़ लय में ३ मात्रा में उ मात्रा, मात्रा कीआड़ लय में ३ मात्रा में उ मात्रा, मात्रा की
आड़ लय में ३ मात्रा में उ मात्रा, मात्रा की
आड़ लय में ३ मात्रा में उ मात्रा, मात्रा की

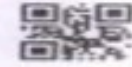
उत्तर: इसे 'डिङ्गुन लय' भी बोला जाता है।

उदाहरण - सुलताल -

छा छा | दिं-छाड | छाड दिं उताड | क्लिडछाड लिड |

कतड गदि उगनड





उत्तर - 1(D)

मसीतारानी - सुल्तानी

रुबाई -

सा गुं गुं मे प | गे रे सा नि-सासा गुं मे | प प प प
दा फिर दा रा | दा फिर दा-दिर दिर | दा दा रा दिर

गुं मे प मे | ग रे सा
दा फिर दा रा | दा रा दा

नि-सारे | सा नीनी इ प | मे पुपु नी सां |
दा-दारा | दा दिर दा रा | दा दिर दा रा |

ग मे गुं गुं मे | ग रे सा
दा फिर दा रा | दा रा दा

अन्तरा -

मे प | गुं मे प नी | सां सां सां सांसां | नी सां गुं रे सां
दिर | दा फिर दा रा | दा दा रा दिर | दा दिर दा रा

नी इ प
दा दा रा

मे प | गुं गुं रे सां | मे पुपु नी सां | गुं मे गुं मे
दिर | दा दिर दा रा | दा दिर दा रा | दा दिर दा रा

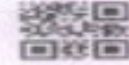
ग रे सा
दा दा रा

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

A 3 0 0 5 0 1 T



05

उत्तर - 1(e)

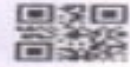
संधि प्रकाश राग - वे राग बिनका गायन-वादन समय में वे किसी एक में ही उन्हें संधि प्रकाश राग कहते हैं।
संधि प्रकाश वाले राग रे, ध्रु कीमल वाले राग मी कहलते।
भारतीय शास्त्रीय संगीत में सूर्योदय तथा सूर्यास्त का समय 4 से 7 बजे क्रमशः प्रातःकाल तथा सायंकाल माना जाता है।

उदाहरण - सूरियां
वे राग सूर्योदय की बेरन में गाये बजाये जाते हैं।
उन्हें - प्रातःकालीन संधिप्रकाश राग कहते हैं।

वे राग सूर्यास्त के समय में गाये बजाये जाते हैं।
उन रागों को सायंकालीन संधिप्रकाश राग कहा जाता है।



Do not write anything in this portion



उत्तर - 1(4)

परमेल प्रवेशक राग

'परमेल' का शाब्दिक अर्थ होता है - 'दूसरा मेल' तथा 'प्रवेशक' का शाब्दिक अर्थ है - 'प्रवेश करने वाला' अतः "इस राग जो एक मात से दूसरे मात प्रवेश करते हैं परमेल प्रवेशक राग कहलाते हैं।"

उदाहरण 1- जब सायंकल में रे, हा शुद्ध वाले रागों का समय समाप्त हो रहा होता है तभी ग नी कोमल वाले रागों का समय प्रारम्भ होता है तो उस समय जयजयवन्ती राग गायक गाता वजाता है अतः जयजयवन्ती परमेल प्रवेशक राग है।

2. जब गायक श्रीमपलारी, हानाफ्री गानकर राग मुल्तानी गाता है तब यह विदित होता है कि अब गायक कल्याण मात (यमन) में प्रवेश करेगा

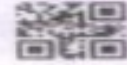
जयजयवन्ती, मुल्तानी परमेल प्रवेशक रागों के उदाहरण हैं।

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

A 300501T



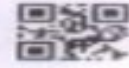
07

उत्तर - 4(ग)

अर्धदर्शक स्वर

अर्धदर्शक स्वर को पञ्चप्रदर्शक स्वर भी कहा जाता है। 'म' महयम को अर्धदर्शक स्वर की संज्ञा दी गयी है। राग गायन समय में महयम स्वर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है इसीलिए इसे पञ्चप्रदर्शक स्वर भी कहते हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत में 24 छप्पे की दो भागों में 12-12 छप्पे विभाजित किया है। महयान्त 12 बजे से रात्रि के 12 बजे तक के समय को पूर्वाह्न कहा गया। रात्रि के 12 बजे से महयान्त 12 बजे तक के समय को उत्तराह्न कहा गया। पूर्वाह्न प्रधान रागों में तीव्र महयम 'म' का प्रयोग किया जाता है। उत्तराह्न प्रधान रागों में महयम 'म' का प्रयोग पाया जाता है। अतः महयम के प्रयोग के आधार पर रागों का समय निर्धारण किया जाता है।

Do not write anything in this portion



उत्तर -1(h)

Do Not Write anything in this Portion

हार्मनी → पश्चात्य संगीत पद्धति हार्मनी पर आधारित पद्धति है। पश्चात्य के गुरिजाधरो में इसका जन्म हुआ माना जाता है। हार्मनी में कई स्वरों को एक साथ गायन वादन करते हुए सामूहिक गान गीत किया जाता है। हार्मनी मेलोडी के बिना अधूरी प्रतीत होती है। कहा ही गया है -

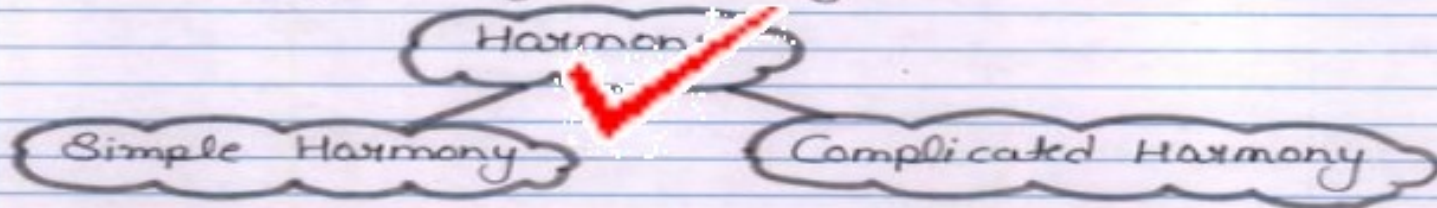
“Harmony is the clothing of Melody”
 “कई स्वरों को एक साथ गायन वादन करने की प्रक्रिया को Harmony कहते हैं।”

हार्मनी मुख्यतः दो प्रकार की होती है।

- (1) Simple Harmony
- (2) Complicated Harmony

Simple Harmony भी दो प्रकार की होती है

- (1) Measuring Harmony
- (2) Organizing Harmony





हार्मोनी का महत्व - हार्मोनी द्वारा सामूहिक गान
 उसमें कई स्वरो, कई सप्तको में एक साथ
 समूह गान किया जाता है।
 ऑर्केस्ट्रा परम्परा में हार्मोनी का महत्वपूर्ण स्थान
 है।

उत्तर - 1(i)

सुलतल मात्रा - 10
 ताली
 खाली
 विभाग - 5
 ह-प - 2 | 2 | 2 | 2 | 2

मात्रा -	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
बोल -	छा	छा	दिं	ता	किट	छा	तिट	कट	गदि	गन
चिन्ह -	x		2		0		3		0	

Do not write anything in this portion

Do Not Write anything in this Portion

(लिगुन)

धा धा दिं ला किर धा | लिर कल गदि गन धा धा
दिं ला किर धा लिर कल | गदि गन धा धा दिं ला
किर धा लिर ~~लिर कल गदि~~ कल गदि गन



धा धा दिं किर धा लिर कल | गदि गन धा धा
दिं ला किर धा | लिर कल गदि गन ² धा धा दिं
किर धा लिर कल ⁰ गदि गन धा धा | दिं ला किर धा
लिर कल गदि गन ³ ⁰




खण्ड - (ब) उत्तर - 4

'घराना' - प्राचीनकाल से गुरु शिष्य परम्परा के अन्तर्गत घरानों का प्रचलन चल आ रहा है जब किसी वंश की तीन पीढ़ियां तथा शिष्य परम्परा गायक या वादक की शैली को अपनाने चली आये तब घराने का निर्माण होता है। संगीत को शिखर तक पहुँचाने में घरानों का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। घरानों के गुण तथा दोष निम्न प्रकार हैं।

घराना परम्परा के गुण -

गुरु विशेष चयन द्वारा गुणी शिष्यों का चयन करता है। गुरु किसी प्रकार का शुष्क शिक्षा के लिये नहीं लेता है। शिक्षा के दौरान शिष्य को गुरु के पास ही निवास करना होता है जिससे उसे गुरु का सान्निध्य प्राप्त रहता है।

घराना परम्परा के दोष -

सामान्य हकी के  यही उपलब्धता नहीं होती है। शिष्य गुरु का अनुकरण करने लगते हैं।



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



12

सितार ✓ धरनि

Do Not Write anything in this Portion

- (1) सैनिया
- (2) मैहर
- (3) इलावा
- (4) ड-दोर
- (5) विष्णुपुर

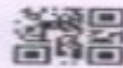


Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



14

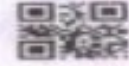


31



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



15

Do not write anything in this column



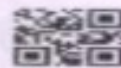
Do Not Write anything in this Portion

37



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



16





Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



Do not write anything in this column



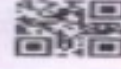
Do Not Write anything in this Portion

11



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--

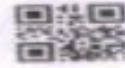


18





--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



Engineering Entrance Examination

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



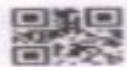
20





Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



21



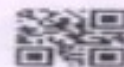
Do Not Write anything in this Portion

P.S.



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



22



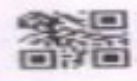
Do Not Write anything in this Portion

ES



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



24

